समाजशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र व अर्थशास्त्र

(Sociology and Political Science & Economics)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

समाजशास्त्र

- समाजशास्त्र वह आधुनिक विज्ञान है, जिसमें समाज के संबंधों का क्रमबद्ध, व्यवस्थित व संगठित अध्ययन किया जाता है।
- **क्यूबर:** *'समाजशास्त्र को मानव संबंधों के वैज्ञानिक ज्ञान के ढांचे के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।'*
- **ग्रीन:** *'समाजशास्त्र मनुष्य का उसके समस्त सामाजिक संबंधों के रूप में समन्वय करने वाला तथा सामान्य अनुमान निकालने वाला विज्ञान है।'*
- **गिलिन एवं गिलिन:** *'समाजशास्त्र को विस्तृत अर्थ में जीवित प्राणियों के एक-दूसरे के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली अंतःक्रियाओं का अध्ययन कहा जा सकता है।'*
- **फेयरचाइल्ड:** *'समाजशास्त्र मनुष्य और उनके एक-दूसरे के प्रति संबंधों में मानवीय परिस्थिति का अध्ययन है।'*

समाजशास्त्र: एक समाज विज्ञान

समाजशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र

गिडिंग्स: प्रत्येक राजनीतिशास्त्री, समाजशास्त्री तथा प्रत्येक समाजशास्त्री, राजनीतिशास्त्री होता है।

प्रो. केटलीन: *"राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र अविभाज्य हैं तथा वास्तव में ये एक ही तस्वीर के दो पहलू हैं।"*

गिलक्राइस्ट: *'राजनीतिशास्त्र मानव संबंधों के तथ्यों व सिद्धांतों को ग्रहण करता है, जिन तथ्यों व सिद्धांतों का अध्ययन तथा प्रतिपादन करना समाजशास्त्र का कर्तव्य है।'*

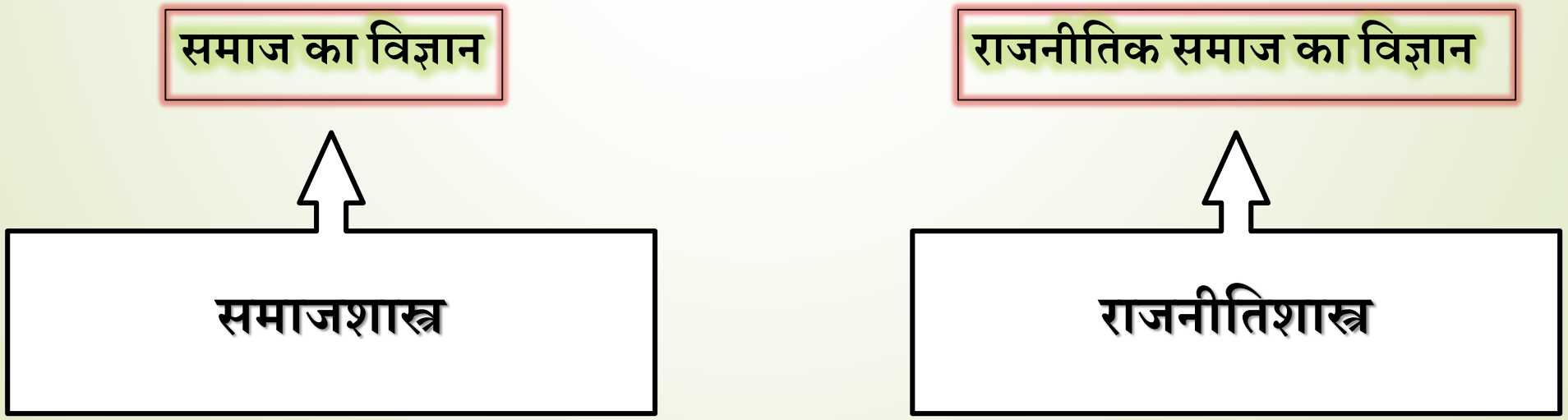

समाजशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र: अंतर्संबंध

- राजनीतिशास्त्र के अनुसार मनुष्य एक राजनीतिक प्राणी है, परंतु उसे राजनीतिक प्राणी बनाने का श्रेय समाजशास्त्र को जाता है। अर्थात् समाजशास्त्र की बुनियाद पर राजनीतिशास्त्र टिका हुआ है।
- राजनीतिशास्त्र मानव संबंधों का अध्ययन करता है, जो समाजशास्त्र का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र है।
- समाजशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं (धर्म, संस्कृति, परिवार, शिक्षा, प्रथा-परंपरा आदि) से राजनीतिक व्यवहार संचालित व नियंत्रित होते हैं।

समाजशास्त्र
मानवीय व्यवहारों व अंतःक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन

+

राजनीतिशास्त्र
मानवीय राजनैतिक व्यवहारों व गतिविधियों का अध्ययन

=

राजनैतिक समाजशास्त्र
समाजों व राज्यों के मध्य के राजनीतिक संघर्ष तथा संबंधों का अध्ययन

समाजशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र: अंतर

समाजशास्त्र

- संपूर्ण मानवीय संगठनों का अध्ययन
- एक सामान्य विज्ञान
- समस्त सामाजिक संबंधों का अध्ययन
- व्यापक दृष्टिकोण
- सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों साधनों का अध्ययन
- राज्य एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था

राजनीतिशास्त्र

- शक्ति (राज्य, राजनीतिक दल, नीति आदि) का अध्ययन
- एक विशेष विज्ञान
- विशेषतः राजनीतिक संबंधों का अध्ययन
- अपेक्षाकृत संकुचित दृष्टिकोण
- सामाजिक नियंत्रण के केवल औपचारिक साधनों का अध्ययन
- राज्य समुदाय को संचालित करने वाली सर्वोच्च शक्ति तथा राजनीतिक विधि का श्रोत

समाजशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र

- **फ्रांसीसी क्रांति**
- **कार्ल मार्क्स:** साम्यवाद की संकल्पना
- **मैक्स वेबर:** नौकरशाही, शक्ति-सत्ता की अवधारणा
- **टालकाट पारसंस:** AGIL मॉडल
- **विलफ्रेडो परेटो:** अभिजनों का परिभ्रमण
- **गिटानो मोस्का:** राजनैतिक/शासक अभिजन
- **रॉबर्ट मिशेल्स:** अल्पतंत्र के लौह कानून/नियम
- **सी. राइट मिल्स:** शक्ति अभिजन
- **मिशेल फूको:** ज्ञान तथा शक्ति

- **राज्य:** समाज का राजनीतिक संगठन
- **धर्मनिरपेक्षता:** राजनीतिक जीवन में धार्मिक तटस्थता
- **नागरिकता**

समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र

सिल्वरमैन: सामान्य कार्यों या लक्ष्यों के लिए अर्थशास्त्र को समाजशास्त्र की एक शाखा माना जा सकता है।

मार्शल: *'अर्थशास्त्र मनुष्य की उन क्रियाओं का अध्ययन करता है जो कि आवश्यकताओं की संतुष्टि के भौतिक साधनों को प्राप्त करने के लिए की जाती है।'*

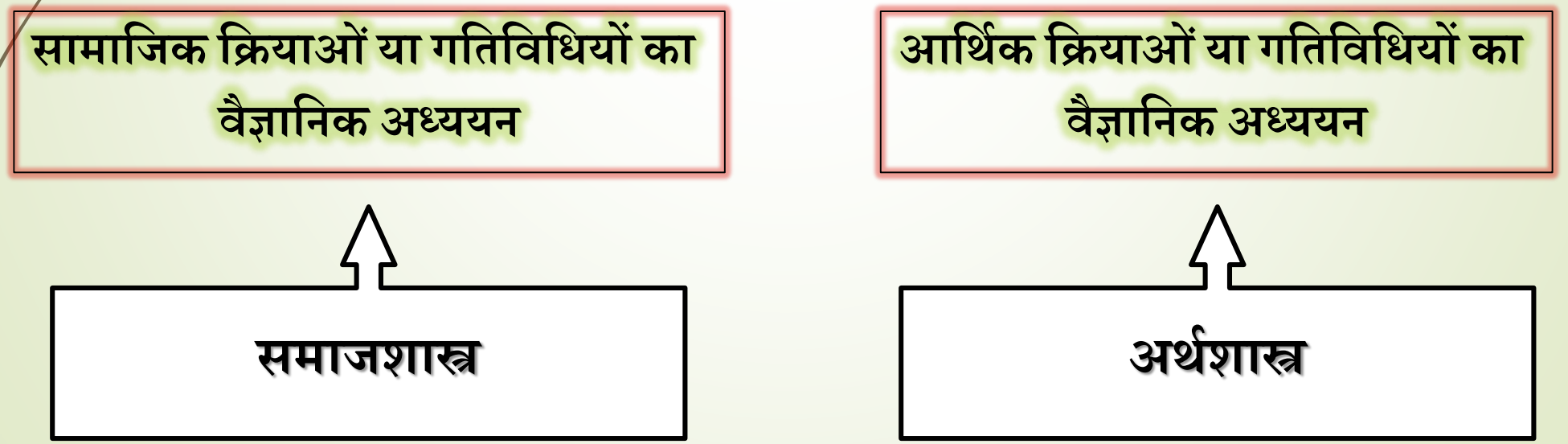

समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र: अंतर्संबंध

- **मैकाइवर एवं पेज:** आर्थिक घटनाएँ सदैव सभी प्रकार की सामाजिक आवश्यकताओं व क्रियाओं के द्वारा निर्धारित होती हैं तथा बदले में स्वयं भी निरंतर सभी प्रकार की सामाजिक आवश्यकताओं व क्रियाओं का निर्माण, पुनर्निर्धारण, संगठन एवं रूपांतरण करती रहती हैं।
- भौतिक संसाधनों के एकत्रीकरण के दौरान मनुष्य अन्य व्यक्तियों, समूहों, समाजों, संस्कृतियों आदि के संपर्क में आता है, फलतः आर्थिक क्रिया बहुत अंशों में सामाजिक क्रिया हो जाती है।
- अर्थिक पक्ष (आर्थिक स्थिति, संपत्ति, समृद्धि आदि) अनेक अर्थों में सामाजिक आवश्यकताओं को प्रभावित करते हैं तथा सामाजिक पक्ष (प्रथा-परंपरा, संस्थाएं, लोकविश्वास, संस्कृति, धर्म आदि) अनेक अर्थों में आर्थिक क्रियाओं को प्रभावित करते हैं।
- औद्योगीकरण, नगरीकरण, श्रम विभाजन, बेरोजगारी, निर्धनता, विकास, जनसंख्या आदि का अध्ययन

समाजशास्त्र
सामाजिक व्यवहारों व अंतःक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन

+

अर्थशास्त्र
आर्थिक व्यवहारों व गतिविधियों का वैज्ञानिक अध्ययन

=

आर्थिक समाजशास्त्र
आर्थिक समाजशास्त्र वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, वितरण, विनिमय और खपत के विश्लेषण के लिए समाजशास्त्रीय अवधारणाओं और विधियों का अनुप्रयोग है।

समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र: अंतर

समाजशास्त्र	अर्थशास्त्र
• मानव जीवन का सर्वपक्षीय अध्ययन	• मानव जीवन के आर्थिक पक्षों का अध्ययन
• सामाजिक संबंधों का अध्ययन	• आर्थिक संबंधों का अध्ययन
• सामान्य विज्ञान	• विशिष्ट विज्ञान
• बहुकारकीय तथा व्यापक दृष्टिकोण	• एककारकीय तथा अपेक्षाकृत सीमित दृष्टिकोण
• तकनीकी घटनाओं की भविष्यवाणी संभव नहीं	• अर्थशास्त्रीय सिद्धांतों के आधार पर आर्थिक घटनाओं की भविष्यवाणी संभव

समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र

- **कार्ल मार्क्स:** आर्थिक निर्धारणवाद
- **मैक्स वेबर:** धर्म संबंधी विचार
- **पियरे बोर्डियू:** पूंजी की अवधारणा
- **एडम स्मिथ:** अहस्तक्षेप नीति

- **विज्ञापन:** उपभोक्ता के व्यवहार, मूल्य, संस्कृति के अध्ययन पर आधारित

धन्यवाद !